नालन्दा खुला विश्वविद्यालय

एम०ए० संस्कृत

पार्ट–I, पत्र–I

(संस्कृत साहित्य का इतिहास)

वार्षिक परीक्षा, 2021

समय : 3 घंटा पूर्णांक : 80

किन्हीं पाँच प्रश्नों के उत्तर दीजिए ।
सभी प्रश्नों के अंक समान हैं ।

1. देवों की अनेकता में एकता का वर्णन कीजिए ।
2. निरूक्त क्या है ? क्या निरूक्त वेदार्थ–ज्ञान में सहकारी है ? स्पष्ट कीजिए ।
3. कृष्णयजुर्वेदीय आख्याकों का परिचय दीजिए ।
4. अर्थवेद के वर्ण्य विषय पर सर्वांगीण विवेचन कीजिए ।
5. रामायण–महाभारत का तुलनात्मक अध्ययन कीजिए ।
6. उपनिषद् में रहस्य विधा क्या है ? इस पर एक लेख लिखिए ।
7. वेदांग साहित्य का परिचय दीजिए ।
8. वेद मंत्रों के वर्गीकरण पर प्रकाश डालिए । मंत्र के अर्थ बताइये ।
9. ब्राह्मण साहित्य का संक्षेप में सारगर्भित परिचय दीजिए ।
10. तैतिरीय संहिता–मैत्रायणी संहिता का परिचय दीजिए ।

ꕥ ꕥ ꕥ

EXAMINATION PROGRAMME-2021
M.A. Sanskrit, Part-I

Date	Papers	Time	Examination Centre
20.05.2022	Paper–I	10.30 AM to 1.30 PM	Nalanda Open University, 2nd Floor, Biscomaun Bhawan, Patna
24.05.2022	Paper–II	10.30 AM to 1.30 PM	Nalanda Open University, 2nd Floor, Biscomaun Bhawan, Patna
26.05.2022	Paper–III	10.30 AM to 1.30 PM	Nalanda Open University, 2nd Floor, Biscomaun Bhawan, Patna
28.05.2022	Paper–IV	10.30 AM to 1.30 PM	Nalanda Open University, 2nd Floor, Biscomaun Bhawan, Patna
30.05.2022	Paper–V	10.30 AM to 1.30 PM	Nalanda Open University, 2nd Floor, Biscomaun Bhawan, Patna
01.06.2022	Paper–VI	10.30 AM to 1.30 PM	Nalanda Open University, 2nd Floor, Biscomaun Bhawan, Patna
03.06.2022	Paper–VII	10.30 AM to 1.30 PM	Nalanda Open University, 2nd Floor, Biscomaun Bhawan, Patna
06.06.2022	Paper–VIII	10.30 AM to 1.30 PM	Nalanda Open University, 2nd Floor, Biscomaun Bhawan, Patna

नालन्दा खुला विश्वविद्यालय

एम०ए० संस्कृत

पार्ट–I, पत्र–II

(लौकिक संस्कृत साहित्य का इतिहास)

वार्षिक परीक्षा, 2021

समय : 3 घंटा पूर्णांक : 80

किन्हीं पाँच प्रश्नों के उत्तर दीजिए ।
सभी प्रश्नों के अंक समान हैं ।

1. 'दण्डिनः पदलालित्यम्' अथवा 'बाणोच्छिष्टं जगत्सर्वम्'– इस कथन की समीक्षा कीजिए ।
2. नवीन परम्परा के संस्कृत रचनाकारों का परिचय दीजिए ।
3. कालिदास के नाटकों का संक्षिप्त परिचय प्रस्तुत कीजिए ।
4. संस्कृत लोककथा साहित्य में बौद्ध धर्मावलम्बियों के प्रयासों का विश्लेषण कीजिए ।
5. भक्तिमूलक गीतिकाव्य में स्रोत–साहित्य का मूल्यांकन कीजिए ।
6. "उदिते नैषधे काव्ये क्व माघः क्व च भारवि"–इस उक्ति का विवेचन कीजिए ।
7. गद्य–काव्य के भेदों का उल्लेख करते हुए उनकी विशेषताओं की समीक्षा कीजिए ।
8. महाकवि शूद्रक की यथार्थवादिता 'मृच्छकटिकम' के आधार पर सिद्ध कीजिए ।
9. बृहत्कथा से आप क्या समझते हैं ? उसके संस्करण रूपों पर प्रकाश डालिए ।
10. टिप्पणी लिखिए :–
    (क) जातकमाला
    (ख) पञ्चतन्त्र

ꕥ ꕥ ꕥ

EXAMINATION PROGRAMME-2021
M.A. Sanskrit, Part-I

Date	Papers	Time	Examination Centre
20.05.2022	Paper–I	10.30 AM to 1.30 PM	Nalanda Open University, 2nd Floor, Biscomaun Bhawan, Patna
24.05.2022	Paper–II	10.30 AM to 1.30 PM	Nalanda Open University, 2nd Floor, Biscomaun Bhawan, Patna
26.05.2022	Paper–III	10.30 AM to 1.30 PM	Nalanda Open University, 2nd Floor, Biscomaun Bhawan, Patna
28.05.2022	Paper–IV	10.30 AM to 1.30 PM	Nalanda Open University, 2nd Floor, Biscomaun Bhawan, Patna
30.05.2022	Paper–V	10.30 AM to 1.30 PM	Nalanda Open University, 2nd Floor, Biscomaun Bhawan, Patna
01.06.2022	Paper–VI	10.30 AM to 1.30 PM	Nalanda Open University, 2nd Floor, Biscomaun Bhawan, Patna
03.06.2022	Paper–VII	10.30 AM to 1.30 PM	Nalanda Open University, 2nd Floor, Biscomaun Bhawan, Patna
06.06.2022	Paper–VIII	10.30 AM to 1.30 PM	Nalanda Open University, 2nd Floor, Biscomaun Bhawan, Patna

नालन्दा खुला विश्वविद्यालय

एम०ए० संस्कृत

पार्ट–I, पत्र–III

(भाषा विज्ञान तथा लिपि विज्ञान)

वार्षिक परीक्षा, 2021

समय : 3 घंटा पूर्णांक : 80

किन्हीं पाँच प्रश्नों के उत्तर दीजिए । सभी प्रश्नों के अंक समान हैं ।

1. 'भाषा वाचिक प्रतीकों की संघटना है', इसकी सविस्तार व्याख्या कीजिए ।
2. स्वनिम किसे कहते हैं ? सोदाहरण विवेचन कीजिए ।
3. वाच्य किसे कहते हैं ? वाच्य के भेदों का सोदाहरण विश्लेषण कीजिए ।
4. 'भाषा में ध्वनियों के चयन एवं क्रमिकता' के महत्त्व का विवेचन कीजिए ।
5. वैदिक–लौकिक संस्कृत की पारस्परिक तुलना कीजिए ।
6. कारक के भेदों का सोदाहरण विवेचन कीजिए ।
7. उदात्त–अनुदात्त स्वरित से क्या समझते हैं ? सोदाहरण उत्तर दीजिए ।
8. ग्रिमनियम का उदाहरण के साथ व्याख्या कीजिए ।
9. पालि भाषा के नामकरण पर विचार करते हुए पालि भाषा की विशेषताओं का परिचय दीजिए ।
10. वाक्य के अभिलक्षणों का विवेचन कीजिए ।

ꕥ ꕥ ꕥ

नालन्दा खुला विश्वविद्यालय

एम०ए० संस्कृत

पार्ट–I, पत्र–IV

(भारतीय दर्शन एवं संस्कृति)

वार्षिक परीक्षा, 2021

समय : 3 घंटा पूर्णांक : 80

प्रत्येक खण्ड से दो–दो प्रश्नों का चयन करते हुए कुल पाँच प्रश्नों के उत्तर दीजिए ।
सभी प्रश्नों के अंक समान हैं ।

खण्ड–क (भारतीय दर्शन)

1. गुण तथा कर्म के लक्षण देते हुए उनका विवरण दीजिए ।
2. अष्टांगिक मार्ग का विस्तार से परिचय दीजिए ।
3. न्याय–दर्शन के आधार पर प्रत्यक्ष–प्रमाण का परिचय दीजिए ।
4. पुरूष एक है या अनेक ? सांख्य–दर्शन के अनुसार युक्ति–सहित विवेचन कीजिए ।
5. मोक्षमार्ग एवं द्वैतवाद पर टिप्पणी लिखिए ।

खण्ड–ख (भारतीय संस्कृति)

6. पुरूषार्थ के रूप में अर्थ और काम का निरूपण कीजिए ।
7. शैशव संस्कारों का संक्षिप्त परिचय दीजिए ।
8. सांस्कृतिक क्रान्ति क्या है ? भारत में होने वाली सांस्कृतिक क्रान्तियों का परिचय दीजिए ।
9. ऋग्वैदिक समाज का परिचय दीजिए ।
10. संस्कार के अर्थ और महत्त्व का विवेचन कीजिए ।

ꕥ ꕥ ꕥ

नालन्दा खुला विश्वविद्यालय

एम०ए० संस्कृत

पार्ट–I, पत्र–V

(संस्कृतेत्तर भारतीय भाषाएँ)

वार्षिक परीक्षा, 2021

समय : 3 घंटा पूर्णांक : 80

किन्हीं पाँच प्रश्नों के उत्तर दीजिए ।
सभी प्रश्नों के अंक समान हैं ।

1. जैन–आगम साहित्य का परिचय दीजिए ।
2. मराठी संत काव्य का परिचय दीजिए ।
3. तमिल साहित्य के अंधकार युग पर प्रकाश डालिए ।
4. अर्धमागधी के महत्त्व का विवेचन कीजिए ।
5. छायावाद की विशेषताओं पर प्रकाश डालिए ।
6. अनुपिटक साहित्य का परिचय दीजिए ।
7. त्रिपिटक साहित्य का परिचय दीजिए ।
8. भारतेन्दु काल का परिचय दीजिए ।
9. तेलुगु साहित्य के अन्यतम कवि पोतना का परिचय दीजिए ।
10. किन्हीं ***दो*** पर टिप्पणी लिखिए –
    (क) रीतिकाल की प्रवृत्तियाँ
    (ख) चैतन्यदेव
    (ग) संदेश रासक
    (घ) बंगला साहित्य

ꕥ ꕥ ꕥ

नालन्दा खुला विश्वविद्यालय

एम०ए० संस्कृत

पार्ट–I, पत्र–VI

(संस्कृत व्याकरण)

वार्षिक परीक्षा, 2021

समय : 3 घंटा | पूर्णांक : 80

किन्हीं पाँच प्रश्नों के उत्तर दीजिए ।
सभी प्रश्नों के अंक समान हैं ।

1. प्रत्याहार विधायक सूत्र का वर्णन करते हुये प्रत्याहार की उपयोगिता का वर्णन कीजिए ।
2. द्वन्द्व समास किसे कहते हैं ? इसके विभिन्न भेदों को सोदाहरण स्पष्ट कीजिए ।
3. हल् सन्धि किसे कहते हैं ? हल् सन्धि विधेयक के किन्हीं ***चार*** सूत्रों की सोदाहरण व्याख्या कीजिए ।
4. निम्नलिखित में से किन्हीं ***चार*** सूत्रों की सोदाहरण व्याख्या कीजिए :–
   (क) कर्तुरीप्सिततमं कर्म (ख) षष्ठी चानादरे
   (ग) सम्बोधने च (घ) सहयुक्तेऽप्रधाने
   (ङ) यस्य च भावे भावलक्षणम् (च) तादर्थ्ये चतुर्थी वाच्या
   (छ) पञ्चमी विभक्तेः (ज) प्रातिपदिकार्थ–लिङ्ग–परिमाण–वचनमात्रे प्रथमा
5. वर्णों के उच्चारण–स्थान से क्या तात्पर्य है ? कण्ठ्य, तालव्य, मूर्धन्य और दन्त्य वर्णों की विवेचना कीजिए ।
6. निम्नलिखित में से किन्हीं ***चार*** सूत्रों की सोदाहरण व्याख्या कीजिए :–
   (क) ढ्रलोपे पूर्वस्य दीर्घोऽणः (ख) रोऽसुपि
   (ग) वा शरि (घ) अकः सवर्णे दीर्घः
   (ङ) एङः पदान्तादति (च) वृद्धिरेचि
   (छ) सोऽचि लोपे चेत्पादपूरणम् (ज) ईदूदेद् द्विवचनं प्रगृह्यम्
7. निम्नलिखत में से किन्हीं चार सूत्रों की सोदाहरण व्याख्या कीजिए :–
   (क) कर्तुरीप्सिततमं कर्म (ख) कालाध्वनोरत्यन्त संयोगे
   (ग) सहयुक्तेऽप्रधाने (घ) चतुर्थी सम्प्रदाने
   (ङ) जनिकर्तुः प्रकृतिः (च) षष्ठी शेषे
   (छ) यस्य च भावे भावलक्षणम् (ज) आधारोऽधिकरणम्
8. माहेश्वर सूत्रों का उल्लेख करते हुये उनकी उपयोगिता का वर्णन कीजिए । माहेश्वर सूत्र से आप क्या समझते हैं ?
9. निम्नलिखित में से किन्हीं चार सूत्रों की सोदाहरण व्याख्या कीजिए :–
   (क) झयो होऽन्यतरस्याम् (ख) मोऽनुस्वारः
   (ग) झलां जशोऽन्ते (घ) यरोऽनुनासिकेऽनुनासिको वा
   (ङ) प्लुजप्रगृह्था अचि नित्यम् (च) एङि पररूपम्
   (छ) इको यणचि (ज) आद्गुणः
10. निम्नलिखित में से किन्हीं चार पदरूपों का समास विग्रह पूर्वक रूप सिद्धि कीजिए :–
    (क) भूतपूर्वः (ख) नरवभिन्नः
    (ग) परमराजः (घ) पितरौ
    (ङ) रूपवद्भार्यः (च) प्राचार्यः
    (छ) पीताम्बरः (ज) द्वित्राः

ꕥ ꕥ ꕥ

नालन्दा खुला विश्वविद्यालय

एम०ए० संस्कृत

पार्ट–I, पत्र–VII

(भारतीय काव्यशास्त्र)

वार्षिक परीक्षा, 2021

समय : 3 घंटा पूर्णांक : 80

किन्हीं पाँच प्रश्नों के उत्तर दीजिए ।
सभी प्रश्नों के अंक समान हैं ।

1. 'वक्रोक्ति' का अर्थ स्पष्ट करते हुए यह बताइए कि उसे काव्य का प्राण कहना कहाँ तक उचित है ।
2. शब्दशक्तियों का परिचय दीजिए ।
3. गद्य काव्य के कितने भेद हैं ? प्रमुख भेदों का परिचय दीजिए ।
4. 'रीतिरात्माकाव्यस्य' कथन की समीक्षा कीजिए ।
5. वामन द्वारा विवेचित अर्थगत दस भेदों का परिचय दीजिए ।
6. दण्डी और भामह कृत काव्य लक्षणों की समीक्षा कीजिए ।
7. गुण के स्वरूप को स्पष्ट करते हुये उसके प्रमुख भेदों का उल्लेख कीजिए ।
8. रसवादी आचार्यों के अनुसार काव्यगुणों का सोदाहरण विवेचन कीजिए ।
9. व्यंजना शक्ति का परिचय दीजिए ।
10. निम्नलिखित अलंकारों का सोदाहरण परिचय दीजिए :–
    (क) उत्प्रेक्षा (ख) विभावना
    (ग) यमक (घ) श्लेष

ꕥ ꕥ ꕥ

नालन्दा खुला विश्वविद्यालय
एम०ए० (संस्कृत)
पार्ट-I पत्र-VIII (संस्कृत रचना)
वार्षिक परीक्षा, 2021

समय : 3 घंटे **पूर्णांक : 80**

किन्हीं पाँच प्रश्नों के उत्तर दीजिए, जिसमें प्रश्न सं०–1 अनिवार्य है । सभी प्रश्नों के अंक समान हैं ।

1. किसी ***एक*** विषय पर संस्कृत में कम–से–कम 300 शब्दों में निबन्ध लिखिए :–
   (क) भ्रष्टाचारम् (ख) उच्चशिक्षायाः निजीकरणम् (ग) संगणकः

2. निम्नलिखित में से किन्हीं ***आठ*** वाक्यों का संस्कृत में अनुवाद कीजिए :–
   (i) परिश्रम के बिना विद्या नहीं होती । (ii) जटा से तपस्वी प्रतीत होता है ।
   (iii) सत्य एवं प्रिय बोलो । (iv) राजा चोर को दण्ड देता है।
   (v) गुरू शिष्य को पढ़ाता है । (vi) सत्य एवं प्रिय बोलो ।
   (vii) हम ईश्वर को प्रणाम करते हैं । (viii) कालिदास ने रघुवंश महाकाव्य की रचना की ।
   (ix) सोहन लेखनी से लिखता है । (x) बालक को शहद अच्छा लगता है ।

3. निम्नलिखित में से किन्हीं ***आठ*** शब्दों का वाक्यों में प्रयोग कीजिए :–
   यत्र–तत्र, स्वाहा, बिभेति, पठित्वा, प्रातः, गृहीत्वा, गतवान्, कर्तुम्, उत्थाय, विद्वान्

4. निम्नलिखित गद्यांश को पढ़कर पूछे गये प्रश्नों के उत्तर दीजिए :–
   भारतवर्षस्य उत्तरदिशायां हिमालयो नाम पर्वतोऽस्ति । अस्य पर्वतस्य शिखराणि अत्युन्नतानि सन्ति । एतानि शिखराणि सदैव हिमेन आच्छादितानि सन्ति । अतएव अस्य पर्वतस्य अभिधानं हिमस्य आलयः हिमालय इति प्रसिद्धोऽस्ति । हिमालयात् गंगा–यमुना–शतद्रु–विपाशा–द्वारावती–वितस्ता–प्रभृतयः अनेकाः नद्यः प्रादुर्भवन्ति । एतासां नदीनां जलं भारतवर्षस्य विशालं भूभागं सिञ्चति । अतएव अस्मिन् देशे प्रभूतानि विविधानि अन्नानि फलानि च उद्भवन्ति । अस्मिन् पर्वते विविधाः ओषधयः वृक्षाः धावतः विविधानि च रत्नानि उपलभ्यन्ते । ग्रीष्मकाले तापेन व्याकुलजनाः हिमालयस्य पर्वतीयस्थलेषु गच्छन्ति सुखं च अनुभवन्ति । अस्मिन् एव पर्वते मानसरोवर–अमरनाथ–बद्रीनाथ–केदारनाथ–हरिद्वारप्रभृतीनि अनेकानि दर्शनीयानि तीर्थस्थानानि अनेके च देवालयाः सन्ति । एतस्मिन् पर्वते स्थितासु अनेकासु गुहासु साधकाः तपश्चरन्ति । अत्र देवीनां मन्दिराणि अपि सन्ति । एतस्मात् कारणात् अयं पर्वतो देवभूमिरपि कथ्यते । हिमेन आच्दादितानि अस्य उन्नतानि शिखराणि अतिशैत्यात् शत्रुभ्यश्च अस्मान् रक्षन्ति ।
   (i) अनुच्छेदस्य नाम देयम् । (ii) हिमालये कानि दर्शनीयानि तीर्थस्थानानि सन्ति ?
   (iii) हिमालयस्य शिखराणि कीदृशानि सन्ति ? (iv) ग्रीष्मकाले तापेन व्याकुलाः जनाः कुत्र गत्वा सुखम् अनुभवन्ति ?
   (v) हिमालयः शिखराणि केभ्यः अस्मान् रक्षन्ति ? (vi) हिमालयात् काः काः नद्यः प्रादुर्भवन्ति ?
   (vii) हिमालयः कुत्र राजते ? (viii) अस्मिन् पर्वते किं किं प्राप्यते ?

5. नगरपालिका प्रशासन को मुहल्ले में जल–जमाव के समाधान हेतु एक पत्र लिखिए ।

6. नालन्दा खुला विश्वविद्यालय में नामांकन हेतु कुलसचिव को एक प्रार्थना पत्र लिखिए ।

7. उचित शीर्षक देते हुये निम्नलिखित गद्यांश का संक्षेपण कीजिए :–
   अथ स्वतन्त्रे भारते संघे शक्तिः इति मत्वा लोके अधुना यत्र तत्र संघाः अवलोक्यन्ते । क्विचित्कर्मकराणां संघः, क्वचित् वणिजां संघः, क्वचित् व्यवसायिनां, क्वचित् छात्राणां संघाः, क्वचिदध्यापकानां, क्वचित् शिल्पिनां संघः, क्वचित् नापितानाञ्च विद्यन्ते । किम्बहुना अद्य भारते पृथक्–पृथक् सर्वेषाम् वर्गानां संघाः दृश्यन्ते । सर्वे संघा सम्भूय यं कमपि विषयं परामृशन्ति । परामर्शनिन्तरं ते सर्वकारं, मिल स्वामिनः विज्ञापयन्ति, यदेतावाद्दिनाभ्यन्तरे यावदस्माकं वेतनं वर्धताम् नोचेत् सर्वं कार्यजातं स्थगितं निरुद्धं वा भविष्यति । अद्य जनानां दुराग्रहोऽपि सत्याग्रहः । प्रायः प्रतिदिनं कस्यापि संघस्य दुराग्रहः सत्याग्रहो वा प्रारब्धः इति श्रूयतेऽवलोक्यते च । तेन राज्येऽधिकृताः शासकाः अपि महतीं चिन्ताम् आपधन्ते । संघबलेन जनाः कदाचिदुचितं प्रायः अनुचितमेव कार्यं कुर्वन्ति ।

8. हिन्दी में अनुवाद कीजिए :–
   एकः स्थूलकायः कुक्कुरः रोटिकाखण्डं मुखे धृत्वा कुत्रचित् गच्छति स्म। मार्गे नद्यां काष्ठस्य सेतुरासीत्। कुक्कुरः सेतुमध्ये आगत्य जले स्वप्रतिबिम्बं दृष्टवान। प्रतिबिम्बं दृष्ट्वा मनसि व्यचिन्तयत् – "अयं कश्चित् दुर्बलः कुक्कुरः अस्ति। अहं बलात् तस्य रोटिकां हरामि।" एवं विचार्य यदैव तस्य रोटिकां हर्तुं मुखं व्याददाति तस्य मुखात् रोटिकाखण्डं जले पतितम्।

9. रिक्त स्थानों की पूर्ति सामने दिए गए पदों के विकल्प से चयन कर कीजिए :–
   (i) अद्य ..... महाविद्यालये महोत्सवः विद्यते (माम्, मम) (ii) .....स्वच्छतया कार्यं कुरूतम् (युष्मान्, युष्माभिः)
   (iii) शिक्षिका.....बोधयति (युष्मान्, यूयम्) (iv) तडागे ..... जलम् अस्ति (कति, कियत्)
   (v) ..... रामायणं लिखितवान् (केन, कः) (vi) .....सृष्टिः विचित्रा । (ईश्वरस्य, ईश्वरम्)
   (vii) .....निपुणः । (व्याकरणे, व्याकरणम्) (viii) ..... मम गृहम् अस्ति (अयम्, इदम्)
   (ix) रजकः.....गर्दभं ताडयति । (लगुडेन, लगुडात्) (x) वामनः.....वसुधां याचते । (बलिम्, बलिः)
   (xi) कालिदासेन ..... नाटकानि रचितानि (त्रीणि, त्रयः) (xii) बालानां.....बलम् । (रोदनम्, रोदनात्)
   (xiii) तस्य पुत्री.....अस्ति । (मेधावी, मेधाविनी) (xiv) नह्यम् चत्वारि.....देहि । (फलानि, फलम्)
   (xv) .....विद्यालये त्वं पठसि । (कस्याम्, कस्मिन्) (xvi) ..... पठनं रोचते (त्वं, तुभ्यम्)

10. (क) निम्नलिखित पदों के विग्रह कीजिए :–
    दण्डादण्डि, गजाननः, नीलकण्ठः, चित्रगुः, प्राचार्यः, करकमलम्, त्रिभुवनम्, रूपवद्भार्यः
    (ख) निम्नलिखित अनेक शब्दों के स्थान पर एक पद लिखिए :–
    (i) कृतं कार्यं येन सः । (ii) अधीता विद्या येन सः । (iii) लब्धा प्रतिष्ठा येन सः । (iv) पठितुम् इच्छति ।
    (v) नमः करोति । (vi) बलं अनतिकृम्य । (vii) पुत्र इव आचरति । (viii) सूर्यश्च चन्द्रमाश्च ।

ꕥ ꕥ ꕥ

नालन्दा खुला विश्वविद्यालय

एम०ए० संस्कृत, पार्ट-II

पत्र-IX

(वेद तथा उपनिषद)

वार्षिक परीक्षा, 2021

समय : 3 घंटा पूर्णांक : 80

किन्हीं पाँच प्रश्नों के उत्तर दीजिए ।
सभी प्रश्नों के अंक समान हैं ।

1. सामाजिक दृष्टि से 'सामनस्यम्' सूक्त के महत्त्व की विवेचना कीजिए ।
2. पिण्ड तत्त्व और ब्रह्माण्ड तत्त्व क्या है ? दोनों के सम्बन्ध पर प्रकाश डालिए ।
3. 'उषा' देवता की चारित्रिक विशेषताएँ लिखिए ।
4. वैदिक देवता के रूप में सूर्य का परिचय दीजिए ।
5. 'पंचक' क्या है' ? इसे स्पष्ट रूप से समझाए ।
6. आचार्य द्वारा दिये गये दीक्षान्त–भाषण लिखिए ।
7. अधोलिखित मंत्रों की संस्कृत में व्याख्या कीजिए :–
   (क) अनुव्रतः पितुः पुत्रो मात्रा भंवतु संमंनाः ।
   जाया पत्ये मधुमतीं वाचं वदतु शन्तिवाम् ।।
   (ख) अग्ने चं यज्ञमंध्वरं विश्वतः परिभूरसिं । स इद्देवेषु गच्छति ।
8. 'याज्ञवल्कय–मैत्रेयी–संवाद' को अपने शब्दों में लिखिए ।
9. 'सांमनस्यम्' का सार लिखिए ।
10. अधोलिखित मंत्रों में से किन्हीं ***दो*** मंत्रों की संस्कृत में व्याख्या कीजिए :–
    (क) अस्यैवैतानि सर्वाणि निःश्वासितानि ।
    (ख) ग्रहणाय वीणायै तु ग्रहणेन वीणावादस्य या शब्दोगृहीत ।
    (ग) येन अहं न अमृता स्याम् किमहं तेन कुर्याम ।
    (घ) शङ्खस्य तु ग्रहणेन शङ्खध्यात वा शब्दो गृहीतः ।

ꕥ ꕥ ꕥ

EXAMINATION PROGRAMME-2021
M.A. Sanskrit, Part-II

Date	Papers	Time	Examination Centre
05.07.2022	Paper–IX	10.30 AM to 1.30 PM	Nalanda Open University, 2nd Floor, Biscomaun Bhawan, Patna
07.07.2022	Paper–X	10.30 AM to 1.30 PM	Nalanda Open University, 2nd Floor, Biscomaun Bhawan, Patna
09.07.2022	Paper–XI	10.30 AM to 1.30 PM	Nalanda Open University, 2nd Floor, Biscomaun Bhawan, Patna
13.07.2022	Paper–XII	10.30 AM to 1.30 PM	Nalanda Open University, 2nd Floor, Biscomaun Bhawan, Patna
15.07.2022	Paper–XIII	10.30 AM to 1.30 PM	Nalanda Open University, 2nd Floor, Biscomaun Bhawan, Patna
19.07.2022	Paper–XIV	10.30 AM to 1.30 PM	Nalanda Open University, 2nd Floor, Biscomaun Bhawan, Patna
21.07.2022	Paper–XV	10.30 AM to 1.30 PM	Nalanda Open University, 2nd Floor, Biscomaun Bhawan, Patna
23.07.2022	Paper–XVI	10.30 AM to 1.30 PM	Nalanda Open University, 2nd Floor, Biscomaun Bhawan, Patna

नालन्दा खुला विश्वविद्यालय

एम०ए० संस्कृत, पार्ट-II

पत्र-X

(प्राचीन संस्कृत पद्यकाव्य)

वार्षिक परीक्षा, 2021

समय : 3 घंटा पूर्णांक : 80

किन्हीं पाँच प्रश्नों के उत्तर दीजिए ।
सभी प्रश्नों के अंक समान हैं ।

1. विदुर नीति के स्रोत एवं विषय–वस्तु को विस्तार से समझाइए ।
2. भारतीय दर्शन का संक्षिप्त परिचय दीजिए ।
3. सुग्रीव का चरित्र चित्रण कीजिए ।
4. दुर्जनों के लक्षण अपने शब्दों में लिखिए ।
5. महाभारत की विशेषताओं का उल्लेख कीजिए ।
6. वाल्मीकि कृत रामायण की संक्षिप्त कथा अपने शब्दों में लिखिए ।
7. गीता के द्वादश अध्याय के आधार पर साकार ब्रह्म के लक्षण का वर्णन कीजिए ।
8. संस्कृत के कुछ नीति उपदेशक ग्रन्थों की सोदाहरण व्याख्या कीजिए ।
9. स्थितप्रज्ञ के लक्षण की विवेचना कीजिए ।
10. अधोलिखित श्लोकों की व्याख्या कीजिए :–

    (क) वासांसि जीर्णानि यथा विहाय
    नवानि गृह्णाति नरोऽपराणि
    तथा शरीराणि विहाय जीर्णानि
    अन्यानि संयाति नवानि देही ।

    (ख) उपकारेण वीरो हि प्रतीकारेण युज्यते
    अकृतज्ञोऽप्रतिकृतो हन्ति सत्त्वषतां मनः ।

ꕥ ꕥ ꕥ

नालन्दा खुला विश्वविद्यालय

एम०ए० संस्कृत, पार्ट-II

पत्र-XI

(मध्यकालीन एवं आधुनिक संस्कृत काव्य)

वार्षिक परीक्षा, 2021

समय : 3 घंटा पूर्णांक : 80

किन्हीं पाँच प्रश्नों के उत्तर दीजिए ।
सभी प्रश्नों के अंक समान हैं ।

1. निम्नलिखित में से किन्हीं ***दो*** पदों की व्याख्या संस्कृत भाषा में कीजिए :–
   (क) तां सैव वेत्र–ग्रहणे नियुक्ता राजान्तरम् राजसुतां निनाय ।
   समीरिणोत्थेव तरङ्ग–लेखा पद्मान्तरं मानस राजहंसीम् ।
   (ख) वैदर्भ निर्दिष्टमसौ कुमारः क्लृप्तेन सोपानपथेन मञ्चम् ।
   शिलाविभङ्गैः मृगराजशावः तुङ्ग नगोत्सङ्म मिवारूरोह ।।
   (ग) नेत्रव्रजाः पोरजनस्य तस्मिन् विहाय सर्वान् नृपतीन् निपेतुः ।
   मदोत्कटे रेचित–पुष्पवृक्षाः गन्धद्विपे वन्य इव द्विरेफाः ।।
2. निम्न पद्यों का हिन्दी में अनुवाद कीजिए :–
   (क) तेषां महार्हासनसंस्थितानाम् उदार–नेपथ्यभृतां समध्ये ।
   रराज धाम्ना रघुसुनुरेव कल्पद्रुमानामिव पारिजातः ।
   (ख) सूर्य एवास्ति केन्द्रं समासांभुवाम् इन्दवे सैव दत्ते तथा कौमुदीम्।
   आत्मजोऽहं तदीयोऽस्मिन् दिव्योऽपरः काऽस्ति कीदृग्व्यथामेऽत्र दिव्यात्मनः।।
   (ग) तासु श्रिया राज–परम्परासु प्रभा–विशेषोदय–पुर्निरीक्ष्यः ।
   सहस्रधात्मा व्यरूचत् विभक्त : पयोमुचां पंक्तिषु विधुतेन ।।
   (घ) स तु त्वदर्थ गृहवासभप्सनु जिजीविषुः त्वत्परितोष–हेतो : ।
   भ्रात्रा किलार्येण तथागतेन प्रवाजितो नेत्र–जलार्द्र–वकत्रः ।।
3. बौद्धकाल में संस्कृत काव्य रचना का विवेचन कीजिए ।
4. "भारवेः अर्थ गौरवम्" इस उक्ति की समीक्षा कीजिए ।
5. संस्कृत काव्य रचना के उद्भव का विवेचन कीजिए ।
6. अश्वघोष के व्यक्तित्व एवं कृतित्व पर प्रकाश डालिए ।
7. कालिदास के महाकाव्यों का विवेचन कीजिए ।
8. ''महाभारत को विकासमान महाकाव्य (epic of growth) कहा गया है''–इस कथन की विवेचना कीजिए ।
9. वनेचर द्वारा वर्णित दुर्योधन के शासन का परिचय दीजिए ।
10. 'किरातार्जुनीयम्' की कथावस्तु का विवेचन कीजिए ।

ꕥ ꕥ ꕥ

नालन्दा खुला विश्वविद्यालय

एम०ए० संस्कृत, पार्ट-II

पत्र-XII

(गद्य काव्य)

वार्षिक परीक्षा, 2021

समय : 3 घंटा | पूर्णांक : 80

किन्हीं पाँच प्रश्नों के उत्तर दीजिए ।
सभी प्रश्नों के अंक समान हैं ।

1. बाणभट्ट की गद्य शैली की विशिष्टता का निरूपण कीजिए ।
2. शिवराजविजय के प्रथम निःश्वास में वर्णित गौरसिंह की विशेषताओं और कार्यों का विवरण दीजिए ।
3. निम्नलिखित संदर्भों की व्याख्या कीजिए :–
   (क) सततममूलमंत्रशभ्यो विषमे विषयविषास्वादमोह : ।
   (ख) इन्द्रिय हरिणहारिणी च सततदुरन्तेयमुपभोगहष्णिका ।
4. व्याघ्रीजातक की कथा एवं इसके संदेश का निरूपण कीजिए ।
5. "रयीशः" के पठित अंश का सार अपनी भाषा में संक्षेप में लिखिए ।
6. 'शुकनासोपदेश' के आधार पर लक्ष्मी की अस्थिरता का विवेचन कीजिए ।
7. निम्नलिखित संदर्भों का हिन्दी में अनुवाद कीजिए :–
   (क) स कृतसंस्कारक्रमो जातकर्मादिभिरभिवर्धमानः प्रकृति–मेधावित्वात् सानाध्यविशेषाज्ज्ञानकौतूहलाद् अकौसीद्याच्च नचिरेणैवाष्टादशसु विद्यास्थानेषु स्वकुलक्रमाविरूद्धासु च सकलासु कलास्वाचाय कं पदमवाप ।
   (ख) स्वसौख्य सङ्गेन परस्य दुःखभुपेक्ष्यते शक्तिपरिक्षयाद् वा । न चान्यदुःखे सति मेऽस्ति सौख्यं संत्यां च शक्तौ किमुपेक्षकः स्यात् ।।
8. मैत्रीबल जातक की विषय वस्तु प्रस्तुत कर इसमें निहित संदेश का निरूपण कीजिए ।
9. पं० रामकरण शर्मा की कृतियों एवं उनकी शैली का संक्षिप्त वर्णन कीजिए ।
10. ''बाणोच्छिष्टं जगत्सर्वं'' –इस उक्ति की समीक्षा कीजिए ।

ꕥ ꕥ ꕥ

नालन्दा खुला विश्वविद्यालय

एम०ए० संस्कृत, पार्ट-II

पत्र-XIII

(संस्कृत रूपकम्)

वार्षिक परीक्षा, 2021

समय : 3 घंटा पूर्णांक : 80

किन्हीं पाँच प्रश्नों के उत्तर दीजिए ।
सभी प्रश्नों के अंक समान हैं ।

1. नाटक में नान्दी पाठ एवं भरत वाक्य पर एक निबन्ध लिखिए ।
2. 'मुद्राराक्षस' की कथावस्तु की मीमांसा कीजिए ।
3. 'अपूर्वः प्रतिशोधः' के आधार पर द्रौपदी का चरित्र–चित्रण कीजिए ।
4. 'नीड निर्माणाम्' की कथावस्तु की समीक्षा कीजिए ।
5. अर्थ प्रकृति और अवस्थापंचक को स्पष्ट कीजिए ।
6. 'मृच्छकटिकम्' की नायिका का चरित्र–चित्रण कीजिए ।
7. 'अभिज्ञान शाकुन्तलम' के चतुर्थ अंक में करूणा की धारा कवि के द्वारा बहायी गयी है'– स्पष्ट कीजिए ।
8. 'उत्तररामचरित' के नामकरण की सार्थकता पर विचार कीजिए ।
9. भारत के 'नाट्यशास्त्र' पर एक विवेचनात्मक निबन्ध लिखिये ।
10. नायक तथा नायिका को परिभाषित करते हुए उसके भेदों पर प्रकाश डालिए ।

ꕥ ꕥ ꕥ

नालन्दा खुला विश्वविद्यालय

एम०ए० संस्कृत, पार्ट-II

पत्र-XIV

(व्याकरण)

वार्षिक परीक्षा, 2021

समय : 3 घंटा पूर्णांक : 80

खण्ड 'अ' एवं खण्ड 'ब' से दो–दो प्रश्नों का चयन करते हुए कुल पाँच प्रश्नों के उत्तर दीजिए ।
सभी प्रश्नों के अंक समान हैं ।

खण्ड–"अ"

1. निम्नलिखित में से किन्हीं ***चार*** सूत्रों की व्याख्या कीजिए :–
   (क) डाबुभाभ्यामन्यतरस्याम् (ख) अजाद्यतष्टाप्
   (ग) वयसि प्रथमे (घ) नित्यं संज्ञाछन्दसो
   (ङ) निगरण चलनार्येश्च

2. निम्नलिखित में से किन्हीं ***चार*** पद्रूपों का सूत्र निर्देशपूर्वक सिद्धि कीजिए :–
   (क) गद्यम् (ख) वास्तव्यः
   (ग) शिष्यः (घ) स्तुत्यः
   (ङ) लभ्यम्

3. निम्नलिखित सूत्रों में से किन्हीं ***चार*** का सोदाहरण व्याख्या कीजिए :–
   (क) विभाषाऽकर्मकात् (ख) प्राद्वहः
   (ग) उपान्मन्त्रकरणे (घ) समवप्रविभ्यः
   (ङ) कर्तरि कर्मव्यतिहारे

4. निम्नलिखित में से किन्हीं ***चार*** शब्द–युग्मों का अर्थ भेद बताइए :–
   (क) उपाध्याया–उपाध्यायी (ख) चन्द्रमुखा–चन्द्रमुखी
   (ग) यवनी–यवनानी (घ) स्थला–स्थली
   (ङ) किंकरा–किंकरी

5. निम्नलिखित में से किन्हीं ***चार*** सूत्रों का सोदाहरण व्याख्या कीजिए :–
   (क) वाऽसरूपोऽस्त्रियाम् (ख) तयोरेवकृत्यक्तखलर्थाः
   (ग) अचो यत् (घ) ओरावश्यके
   (ङ) कृत्यल्युटो बहुलम्

खण्ड–"ब"

6. पूर्वकालिक एवं निमित्तार्थक कृत्प्रत्ययों की सोदाहरण विवेचना कीजिए ।

7. कर्तृवाचक कृत् प्रत्यय किसे कहते हैं । एतत्सम्बद्ध किन्हीं पाँच प्रत्ययों का सूत्र निर्देशपूर्वक निरूपण कीजिए ।

8. वाच्य से आप क्या समझते हैं ? वाच्य के प्रकारों का विवेचन करते हुए कर्मवाच्य एवं भाववाच्य के रूप में बनाने के नियमों का सोदाहरण विवेचन कीजिए ।

9. धातु का अर्थ स्पष्ट करते हुए सकर्मक और अकर्मक धातुओं का परिचय प्रस्तुत कीजिए ।

10. निम्नलिखित में से किन्हीं ***चार*** पर टिप्पणी लिखिए :–
    (क) भविष्यकालिक कृत् (ख) भाववाचक कृत्
    (ग) णमुल् प्रत्यय (घ) कृत्य प्रत्यय
    (ङ) लकार

ꕥ ꕥ ꕥ

नालन्दा खुला विश्वविद्यालय

एम०ए० संस्कृत, पार्ट-II

पत्र-XV

(संस्कृत शास्त्रों का इतिहास)

वार्षिक परीक्षा, 2021

समय : 3 घंटा पूर्णांक : 80

किन्हीं पाँच प्रश्नों के उत्तर दीजिए ।
सभी प्रश्नों के अंक समान हैं ।

1. भरतोत्तर नाट्याचार्यों एवं उनके प्रतिपाद्यों पर प्रकाश डालिए ।
2. अष्टांग आयुर्वेद का परिचय दीजिए ।
3. वैदिक एवं वेदांगीय व्याकरण का ऐतिहासिक परिचय दीजिए ।
4. कोश शास्त्रीय इतिहास का विस्तारपूर्वक व्याख्या कीजिए ।
5. वेदों में आयुर्वेद का स्थान निरूपित कीजिए ।
6. पूर्व पाणिनेय व्याकरण से त्रिमुनि व्याकरण तक की ऐतिहासिकता पर प्रकाश डालिए ।
7. वर्गीकरण के साथ संस्कृत व्याकरण की परम्परा एवं विशेषताओं को प्रदर्शित कीजिए ।
8. स्मृति ग्रंथों पर एक लेख लिखिए ।
9. भाष्य एवं निबन्धशास्त्र का पारस्परिक परिचय दीजिए ।
10. निम्नलिखित पर संक्षिप्त टिप्पणी लिखिए :—
    (क) कात्यायन
    (ख) सुश्रत
    (ग) वराहमिहिर
    (घ) आर्यभट्ट

ꣀ ꣀ ꣀ

नालन्दा खुला विश्वविद्यालय

एम०ए० संस्कृत, पार्ट-II

पत्र-XVI

(संस्कृत रचना)

वार्षिक परीक्षा, 2020

समय : 3 घंटा पूर्णांक : 80

किन्हीं पाँच प्रश्नों के उत्तर दीजिए । सभी प्रश्नों के अंक समान हैं ।

1. निम्नलिखित में से किसी एक पर संस्कृत में निबन्ध लिखिए :–
   (क) प्रिय नाट्यकारः (ख) काव्यप्रयोजनम् (ग) उपमा कालिदासस्य

2. निम्नलिखित अशुद्ध वाक्यों का संशोधन कीजिए :–
   (क) सः पवित्रः गङ्गाजलम् आनयति । (ख) शिवस्य त्रयः नेत्राणि सन्ति ।
   (ग) इदं गौः दुग्धं वाञ्छति । (घ) अहं श्व विद्यालयं गमिष्यामः ।
   (ङ) मधुरं आम्राणि मह्यं रोचते । (च) आलस्येन कार्यहानिः जायते ।
   (छ) छात्रैः रामायणं श्रुता । (ज) पुरा वीरवीरो नाम राजा आसन् ।
   (झ) वृक्षम् पत्राणि पतन्ति । (ञ) रामस्य सह सीता गच्छति ।
   (ट) धनेन ज्ञानं गुरुतरम् । (ठ) भूपतिः सिंहासने अध्यास्ते ।
   (ड) गृहस्य परितः उद्यानानि सन्ति । (ढ) भवान् किं विद्यालयं गच्छसि ।
   (ण) क्षः गुरुवासरः भविष्यति । (त) नीरजः सुलेखः लिखितः ।

3. निम्नलिखित में से किन्हीं ***चार*** रेखांकित शब्दों में विभक्ति–निर्देश कीजिए :–
   (क) बालकः सिंहात् बिभोति । (ख) ईश्वराय नमः । (ग) भूपतिः प्रासादम् अधितिष्ठति ।
   (घ) त्वया वेदः पठ्यते । (ङ) केशेषु चमरीं हन्ति ।

4. निम्नलिखित में से किन्हीं ***चार*** सूत्रों की सोदाहरण व्याख्या कीजिए :–
   (क) कर्तुरीप्सिततमं कर्म (ख) धारेरुत्तमर्णः (ग) पञ्चमी विभक्तेः
   (घ) सप्तम्यधिकरणे च (ङ) इत्थंभूललक्षणे

5. निम्नलिखित अवतरण का संक्षेपण कीजिए एवं समुचित शीर्षक लिखिए :–
   अस्माकं भारतवर्षं कृषिप्रधानः देशः अस्ति । अस्मिन् देशे बहुसंख्यकाः जनाः ग्रामेषु निवसन्ति । कृषिः एव तेषां मुख्यं जीविकासाधनम् । कृषिं बिना अन्नस्य उत्पादनं न सम्भवति । अन्नाद् एवं जीवनशक्तिम् (ऊर्जाम्) आधाय प्राणिनः प्राणवन्तः गतिशीलाश्च भवन्ति । अस्माकं प्राचीना कृषिव्यवस्था अतीव उन्नता वैज्ञानिकी च आसीत् । वैदिक जनाः स्वकृषिकार्यार्थं मुख्यतया वृष्टिं आश्रिताः आसन् । पशुपालनवृत्तिः कृषिकार्यार्थम् आवश्यकी वर्तते । अतएव वैदिक–साहित्ये गो–चर्चा आयाति । वैदिक जनाः पृथिवीं स्वमातरं मन्यन्ते स्म ।

6. निम्नलिखित सूक्तियों में से किन्हीं ***दो*** की संस्कृत व्याख्या कीजिए :–
   (क) उद्योगिनं पुरूषसिंहमुपैति लक्ष्मीः ।
   (ख) सत्यमेव जयते ।
   (ग) विद्या ददाति विनयम् ।

7. द्वन्द्व समाज अथवा कर्मधारय समास की सोदाहरण व्याख्या कीजिए ।

8. अधोलिखित में से किन्हीं ***आठ*** पदरूपों की प्रयोगसिद्धि सूत्रनिर्देश पूर्वक कीजिए :–
   (क) चन्द्रशेखरः (ख) कर्मकुशलः (ग) शुक्लाम्बरा (घ) उपगङ्गम्
   (ङ) अनुरूपम् (च) यूपदारू (छ) राजपुरुषः (ज) कुम्भकारः
   (झ) त्रिफला (ञ) सपरिवारः

9. निम्नलिखित में से किन्हीं ***चार*** सूत्रों की व्याख्या सोदाहरण कीजिए :–
   (क) अकः सवर्णे दीर्घः । (ख) एङः पदान्तादति । (ग) झलां जश् झशि ।
   (घ) शश्छोऽटि । (ङ) अतोरोरप्लुतादप्लुते ।

10. (i) निम्नलिखित में से किन्हीं ***आठ*** शब्दों के विलोम शब्द लिखिए :–
    अमावस्या, निर्यातम्, शाश्वतः, शीतलः, अन्यायः, सजीवः, कृतज्ञः, उत्थानम्

    (ii) निम्नलिखित में से किन्हीं ***आठ*** शब्दों के दो–दो पर्यायवाची शब्द लिखिए :–
    लक्ष्मी, कृष्णः, गृहम्, चन्द्रमा, जलम्, पर्वतः, पार्वती, पुष्पम्, घोटकः

ꣿ ꣿ ꣿ